सुनहरा
100 वाँ वर्ष

आज

मात्र
2 रूपये में

मेहर मेरी जिंदगी है...11 | तीजनबाई को लोकनिर्मला सम्मान ...2 | कोई सर कहकर बुलाये, पसंद नहीं ...12

www.ajhindidaily.com लखनऊ,सोमवार , 16 मार्च, 2020 * नगर संस्करण पृष्ठ 12 | वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज, (मध्य प्रदेश संस्करण), कानपुर, (झांसी संस्करण) , लखनऊ , आगरा, बरेली, पटना, रांची, (धनबाद संस्करण) तथा जमशेदपुर से प्रकाशित

आज कोरोना से लड़ना है परन्तु अफवाहों से दूर रह कर

आज कोरोना से लड़ना है - परन्तु अफवाहों से दूर रहकर तथा प्राथमिक सावधानी को अपनाते हुए वही वरिष्ठजनो को विशेष रूप से देख-भाल करने की भी आवश्यकता है वास्तव में कोरोना का कहर मुख्यत: चीन से शुरू हुआ और पूरे विश्व में जिस तेजी से फैल रहा है, यह एक चिंता का विषय है चीन में लाखो की आबादी इससे प्रभावित हुई है और पूरी अर्थ-व्यवस्था चरमरा गई है 7 लोगो को अलग-थलग कर इसके आगे न फैलाने के इंतजाम किये जा रहे है प्रभावित लोगो को अलग अलग उपचार केंद्र में रखा जा रहा है कई शहर को अलग कर दिए गए हैं इसका प्रभाव केवल वरिष्ठजनो पर अधिक पड़ रहा है आज इटली दूसरा सबसे प्रभावित देश हो गया है अमेरिका में आपातकाल घोषित कर दिया गया है ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, ईरान और ईराक की बहुतायत संख्या इससे प्रभावित है 7 आज आस्ट्रेलिया में आवागमन पर प्रतिभंध लगा दिया गया है अगले 15-दिनों तक न कोई किसी देश से आस्ट्रेलिया आ सकता है और नहीं कोई आस्ट्रेलिया से बाहर जा सकता है ऐसे में, भारतवर्ष में जहाँ 80-90 लोगो को इससे प्रभावित होने की आशंका में उपचार केंद्रो में रोका गया है और जिनमे से 02(दो) की अभी तक म्रत्यु की सूचना अधिकारिक रूप से घोषित की गई है, मेरा स्वयं का मानना है कि हमें दहसत के इस माहौल को ख़तम करने का प्रयास करना चाहिए हां, जो लोग विदेश से भारतवर्ष आ रहे हैं, उनके कोरोना प्रभावित होने की पुष्टि और प्रभावित पाए जाने की दशा में उनकी देख-रेख हेतु उन्हें स्वास्थ्य केंद्र में रोकने व ठीक होने तक बने रहने की व्यवस्था आवश्यक होनी चाहिए परन्तु जो भारतीय अपने देश में ही अपने कारोबार व नौकरी हेतु भ्रमण कर रहे है, उनमें पैदा हो रही दहशत को ख़तम करने की आवश्यकता है।

डा. भरत राज सिंह,
महा-निदेशक,
स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट साइंसेस , लखनऊ